

पं० २२

प्रभावली पेश इष्टी प्राक्की व इन्त  
आप्येवरा अउपस्थित । प्राक्की व इन्त आधिकार  
जे विन्धेवत कश्च मरीका कावाम लाग्ये  
ठिन्नु उपोन्नी लेने से प्राक्की वा प्राक्की  
अपम-हाजरी आफत वे रक्की ये रवाजिज  
ठिया जाता है ।

**अपवड अधिकारी पदेन**  
**अपवड अडमिटर करेडा**